the Rajya Sabha and resolves that the House do proceed to elect, in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote, one Member from among the Members of the House to the Joint Committee to fill the vacancy."

The question was put and the motion was adopted.

Motion for Election to the General Council of the Indian School of Mines, Dhanbad

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): Sir, I beg to move the following Motion:

"That in pursuance of the provisions contained in clauses (ii) and (iv) of Rule 4 read with clause (3) of Rule 15 of the Rules and Regulations of the Indian School of Mines, Dhanbad, this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one member from among the members of the House to be a member of the General Council of the Indian School of Mines, Dhanbad."

The question was put and the motion was adopted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Re: Award of Death Sentence to Shri Sarabjit Singh, by the Supreme Court of Pakistan

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सभापति महोदय, अमृतसर के भिक्खीविंद गांव के रहने वाले सरबजीत सिंह को पाकिस्तान में मंजीत सिंह बताकर जबर्दस्ती यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही है कि वह रॉ का एजेंट है, उस को वहां की सुप्रीम कोर्ट द्वारा फांसी की सजा सुनायी गयी है। महोदय, उसके परिवार के सदस्य, उसकी बहनें बार-बार पाकिस्तान की कचहरियों में उसके वोटर आई॰डी॰ कार्ड, उसका प्रूफ, उसका राशन कार्ड, उसका वोटर लिस्ट रिकॉर्ड, उसके फोटोग्राफ्स, उसके स्कूल सर्टिफिकेट, बर्थ सर्टिफिकेट, दिखाकर आज न्याय की गुहार कर रहे हैं, पर आज तक वहां से उनको कोई न्याय नहीं मिला है।

महोदय, यह कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान में आम भारतवासी, जो वहां पर कैद होते हैं, उनका कभी-कभार सारी दुनिया को, अन्तराष्ट्रीय जगत को यह दिखाने के लिए कि वे रॉ के एजेंट हैं, जब कि उनके अंदरुनी सेक्योरिटी में अपने प्रॉब्लम्स हैं, किन्तु वे हर वक्त

यह कहते हैं कि भारत की साजिश है और भारतीय नागरिकों को ''भारत का स्पाई'' बोलकर या उसका एजेंट बोलकर, उनको सजा सुना देते हैं।

महोदय, इस पर ''वीर-ज़ारा'' नामक फिल्म भी बनाई गई, इसके बारे में जागरुक करने के लिए। महोदय, इस परिवार के सदस्यों का एक नेशनल अखबार के मुख्य पृष्ठ पर एक फोटो भी बना हुआ है, जिसमें इस अन्याय के विरोध में और इस अन्याय को रोकने के लिए मां अपनी बच्चियों के साथ खुद भी फांसी लेना चाहती है और वह फांसी का फंदा बनाकर अपने घर की शहतीर के साथ टांग रही है।

महोदय, यह दर्दनाक चित्र देखकर मुझे ऐसा महसूस होता है कि भारत के पार्लियामेंट के माध्यम से उन सभी माताओं, उन सभी बहनों और उन सभी भाइयों और बेटों की तरफ से मांग करूं, जो करीब साढ़े 500 से ज्यादा लोग पाकिस्तान की जेलों में गल रहे हैं, सड़ रहे हैं और उनकी आवाज उठाने वाला कोई नहीं है। भारत सरकार अपने विदेश मंत्रालय के माध्यम से उनकी आवाज उठाकर या भारत के राष्ट्रपति वहां के राष्ट्रपति से बात करके उनको छुड़वाने की व्यवस्था करें। महोदय, मैं यह मांग करता हूं और उम्मीद करता हूं कि यह सदन मेरी इस मांग के साथ पूरी तरह सहमत होगा और इस कार्रवाई में मदद करेगा, जिससे कि उन माताओं को उनके बेटे वापस मिल सकें। यही कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री कृपाल परमार (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मैं चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में सरकार की तरफ से शीघ्र ही जानकारी दी जाए। पचौरी जी, बोलिए।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): सम्मानित सभापति महोदय, माननीय सदस्य और उनके साथ अन्य सदस्यों ने यह जो मार्मिक मामला यहां उठाया है, इससे मैं विदेश मंत्री जी को अवगत करा दूंगा, ताकि इस दिशा में समुचित कदम उठाए जा सकें और उचित कार्यवाही की जा सके।

श्री सभापति: माननीय मंत्री महोदय, इन्होंने प्रश्न तो उठाया है, लेकिन उसके साथ ही इन्होंने जो एक दूसरा इम्पॉर्टेंट क्वैश्चन उठाया है, उस सम्बन्ध में मैं कहना चाहूंगा कि समाचार पत्रों में यह रोज आता है कि पाकिस्तान की जेलों में ऐसे आदमी पड़े हैं, जिनका पता नहीं है। घर वाले चिन्ता कर रहे हैं। कितने लोग ऐसे हैं, जो पाकिस्तान की जेलों में पड़े हैं और वे छूट नहीं रहे हैं, यदि इसकी पूरी जानकारी इस सदन को दें, तो मैं समझता हूं कि यह बहुत अच्छा होगा।

Now we shall take up Bill for introduction. ...*(Interruptions)*...

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल (मध्य प्रदेश): महोदय, मैंने भी जीरो आवर के लिए आपको लिखकर दिया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: किसके लिए?

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: एक सवाल है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: देखिए, आप एक-एक ही लीजिए तो ज्यादा ठीक है। ...**(व्यवधान)**... मैं आपको कह रहा हूं, मान लें। ...**(व्यवधान)**... मुझसे एकॉमोडेट करें। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: महोदय, उत्तर प्रदेश के चुनाव में लाखों महिलाओं को मतदान से वंचित करने की बात कही गई है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: नहीं, आप बैठ जाइए। देखिए, यूं मत उठाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: महोदय, मैंने आपको लिखकर दिया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: लिखकर दिया है, तो जब मैं आपको अलाऊ करूंगा, तब आप बोलिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: आपने कहा था कि सोमवार को आप मुझे मौका देंगे। . ..**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: मैंने सोमवार के लिए कहा था, जब आपने बात की थी। आज के लिए मना किया था। आज आप मना करने पर बोल रहे हो, तो सोमवार का भी नम्बर खो दोगे। मैंने आज ही कहा है और आपको कहा था कि मैं देखूंगा और यदि आवश्यकता हुई, तो सोमवार को परमिशन दे दूंगा। बिना अनुमति के बोलते हो, तो सोमवार के बारे में भी विचार करूंगा।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): Before the introduction of this Bill, I would like to know from the hon. Minister whether a labour law...

MR. CHAIRMAN: Let him introduce the Bill.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: What I am trying to say is that such legislations on labour should be introduced after discussing them with the trade unions.

MR. CHAIRMAN: That is a different matter. This is a Bill of the Government. Government wants to introduce.

आप इन्ट्रोडयूस करिए।